चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि. भूमि	12.8.25	11	2-5

युवाओं को आत्मनिर्भर बनाना ही प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य : डॉ. गोदारा

■ हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न 14 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।

सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मशरूम के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बटन मशरूम के अलावा खाद्य एवं औषधीय मशरूम जैसे किंग ओयस्टर, शिटाके, कीड़ा-जड़ी तथा गेनोडर्मा मशरूम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह प्रशिक्षण डॉ. सतीश कुमार महता व संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों की देखरेख में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ सतीश कुमार, डॉ. संदीप भाकर, डॉ विकास काम्बोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. प्रियंका, डॉ. डीके शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकाश हुड्डा ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

हिसार। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	12.8.25	7	1-3

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित

हिसार, 11 अगस्त (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न 14 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मशरूम के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा मशरूम के उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन पर अनुदान देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बटन मशरूम के अलावा खाद्य एवं औषधीय मशरूम जैसे किंग ओयस्टर, शिटाके, कीड़ा-जड़ी तथा गेनोडर्मा मशरूम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण संस्थानों में युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें स्वावलंबी बनाने के लिए मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल एवं सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग, नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारन्मुखी प्रशिक्षण नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं। यह प्रशिक्षण डॉ. सतीश कुमार महता व संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों की देखरेख में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ सतीश कुमार, डॉ. संदीप भाकर, डॉ विकास कांबोज, डॉ राकेश कुमार चुघ, डॉ प्रियंका, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह, डॉ. विकाश हुड्डा ने विभिन्न विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। प्रशिक्षण के समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

प्रतिभागियों के साथ वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	12.8.23	4	7-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण

हिसार| हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें हरियाणा और राजस्थान के 14 जिलों से प्रतिभागियों ने भाग लिया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम के प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन में रोजगार की बड़ी संभावनाएं हैं। केंद्र और राज्य सरकारें इस क्षेत्र में अनुदान देकर युवाओं को प्रोत्साहित कर रही हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बटन मशरूम के अलावा किंग ओयस्टर, शिटाके, कीड़ा-जड़ी और गेनोडर्मा जैसे औषधीय मशरूम की जानकारी दी। उन्होंने बताया संस्थान में मधुमक्खी पालन, केंचुआ खाद उत्पादन, संरक्षित खेती, बेकरी, फल-सब्जी संरक्षण, डेरी फार्मिंग और नर्सरी उत्पादन जैसे रोजगारपरक प्रशिक्षण नियमित रूप से होते हैं। यह प्रशिक्षण डॉ. सतीश कुमार महता और अन्य वैज्ञानिकों की देखरेख में हुआ। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. सतीश कुमार, डॉ. संदीप भाकर, डॉ. विकास कांबोज, डॉ. राकेश कुमार चुघ, डॉ. प्रियंका, डॉ. डी.के. शर्मा, डॉ. भूपेंद्र सिंह और डॉ. विकास हुड्डा ने विभिन्न विषयों पर जानकारी दी। समापन पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए गए।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	12.8.23	3	1-8

मशरूम उत्पादन तकनीक पर दिया प्रशिक्षण

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण सोमवार को समाप्त हो गया। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न 14 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि मशरूम के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। विस्तार शिक्षा निदेशक डॉ. बलवान सिंह मंडल ने बटन मशरूम के अलावा खाद्य एवं औषधीय मशरूम जैसे किंग ओयस्टर, शिटाके, कीड़ा-जड़ी तथा गेनोडर्मा मशरूम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। प्रशिक्षण डॉ. सतीश कुमार महता व संस्थान के अन्य वैज्ञानिकों की देखरेख में आयोजित किया गया। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स	11.08.2025	--	--

हकृवि में मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण आयोजित

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मशरूम उत्पादन तकनीक पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में हरियाणा व राजस्थान के विभिन्न 14 जिलों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह जानकारी देते हुए सायना नेहवाल कृषि प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण एवं शिक्षा संस्थान के सह-निदेशक डॉ. अशोक कुमार गोदारा ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज के मार्गदर्शन में आयोजित किए जा रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य युवाओं का कौशल विकास करके उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। मशरूम के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में रोजगार की अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने बताया कि केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा मशरूम के उत्पादन, प्रसंस्करण तथा मूल्य संवर्धन पर अनुदान देकर युवाओं को इसे एक रोजगार के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।